TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

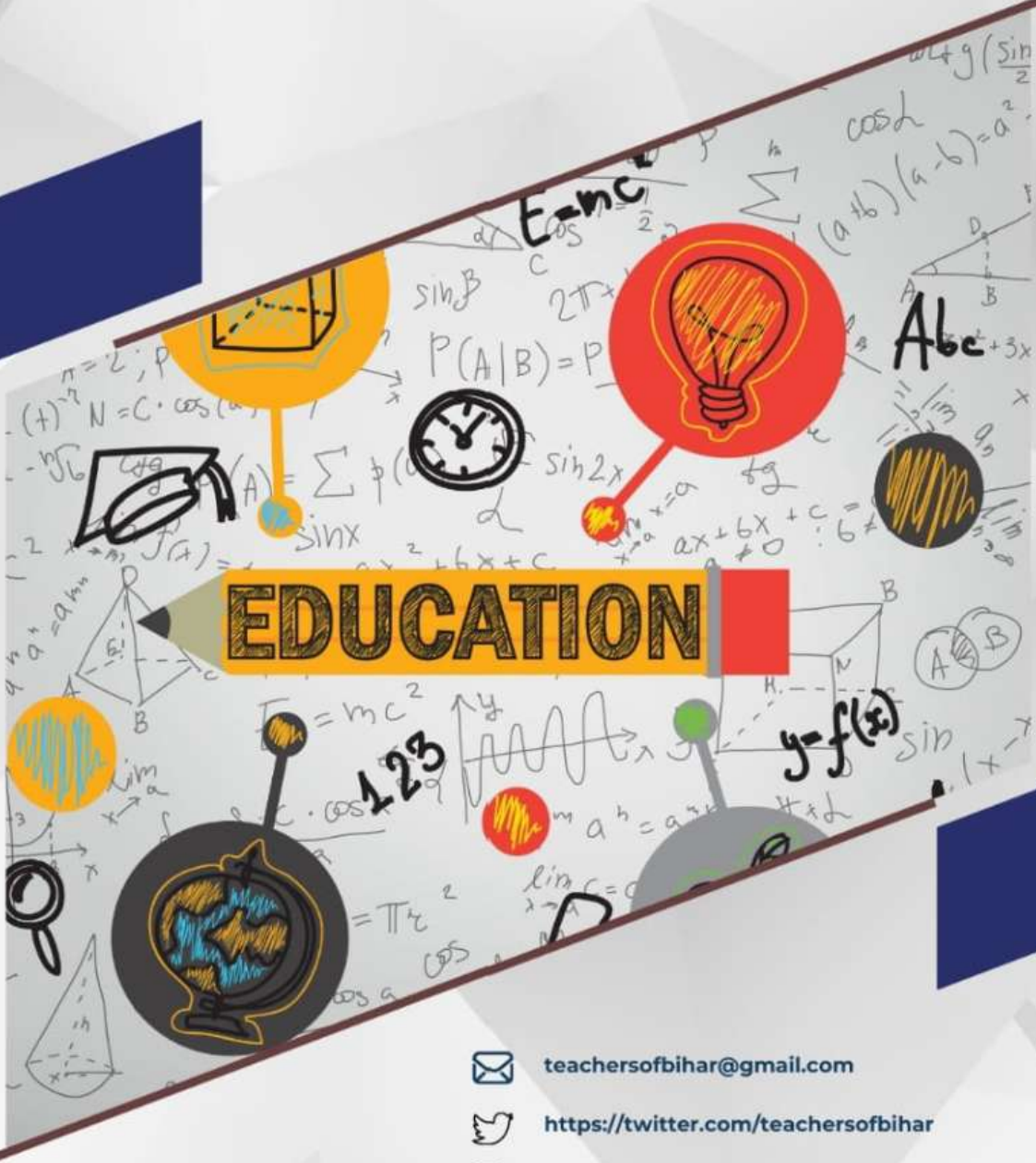

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

30 नवंबर 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

स्वयं को सिखाना महान है लेकिन दूसरों को सिखाना और भी महान है।

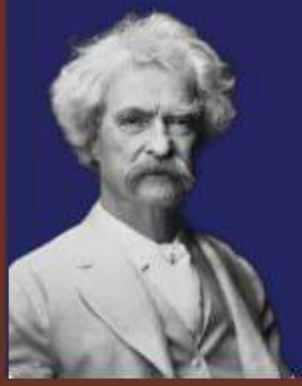

मार्क ट्वैन

राकेश कुमार

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

Saturday

30 नवम्बर

1. **जगदीशचन्द्र बसु का जन्म–** प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक जगदीशचन्द्र बसु का जन्म 30 नवम्बर, 1858 को पूर्वी बंगाल (अब बांग्लादेश) में हुआ था। वे पहले भारतीय वैज्ञानिक थे जिन्होंने रेडियो और सुक्ष्म तरंगों की प्रकाशिकी पर कार्य किया। वे विज्ञान कथाएं भी लिखते थे और उन्हें बंगाली विज्ञान–कथा साहित्य का पिता भी कहा जाता है। 1917 में जगदीशचंद्र बसु को 'नाइट' की उपाधि प्रदान की गई थी।
2. **रासायनिक युद्ध के शिकार हुए पीड़ितों की स्मृति का दिन–** संयुक्त राष्ट्र द्वारा रासायनिक युद्ध के शिकार हुए पीड़ितों के स्मृति में श्रद्धांजलि देने के साथ–साथ शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष 30 नवम्बर को मनाया जाता है। गौरतलब है कि प्रथम विश्व युद्ध के दौरान रासायनिक हथियारों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया था, जिसके परिणाम स्वरूप 100,000 से अधिक लोगों की मृत्यु और कई लाख लोग हताहत हुए थे।

(नवम्बर माह के अंतिम रविवार) एनसीसी डे– राष्ट्रीय कैडेट कोर यानी एनसीसी दिवस हर साल नवम्बर माह के अंतिम रविवार को मनाया जाता है। एनसीसी की स्थापना 1948 में की गई थी। इसका लक्ष्य कैडेटों को समाज के अच्छे नागरिक बनाने और उन्हें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में योग्य और अग्रणी बनाने के लिए उनमें चारित्रिक गुणों का विकास करना है।

मधु प्रिया

जगदीश चन्द्र बसु का जन्म 30 नवंबर

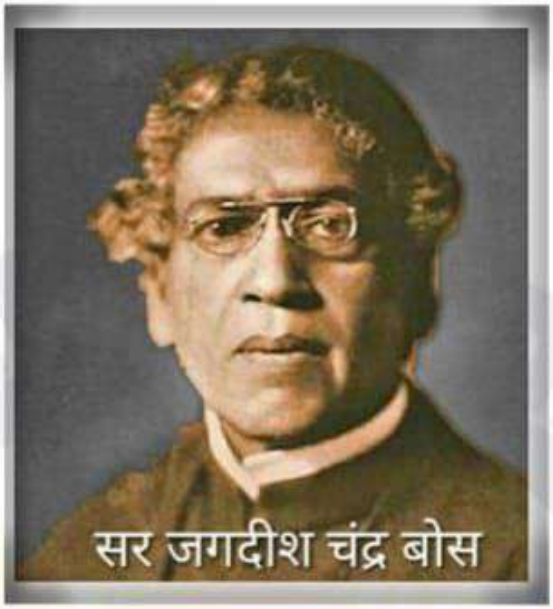

जगदीश चन्द्र बसु का जन्म **30** नवम्बर **1858** को बंगाल (अब बांग्लादेश) में ढाका जिले के फरीदपुर के मेमनसिंह में हुआ था। उनके पिता भगवान चन्द्र बसु ब्रह्म समाज के नेता थे। डॉ॰ (सर) जगदीश चन्द्र बसु भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे जिन्हें भौतिकी, जीवविज्ञान, वनस्पतिविज्ञान तथा पुरातत्व का गहरा ज्ञान था। वे पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने रेडियो और सूक्ष्म तरंगों की प्रकाशिकी पर कार्य किया। वनस्पति विज्ञान में उन्होनें कई महत्त्वपूर्ण खोजें की। साथ ही वे भारत के पहले वैज्ञानिक शोधकर्त्ता थे। वे भारत के पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने एक अमरीकन पेटेंट प्राप्त किया। उन्हें रेडियो विज्ञान का पिता माना जाता है। वे विज्ञानकथाएँ भी लिखते थे और उन्हें बंगाली विज्ञानकथा-साहित्य का पिता भी माना जाता है। उन्होंने अपने काम के लिए कभी नोबेल नहीं जीता। इनके स्थान पर **1909** में मारकोनी को नोबेल पुरस्कार दे दिया गया।**1917** में जगदीश चंद्र बोस को "नाइट" की उपाधि प्रदान की गई तथा शीघ्र ही भौतिक तथा जीव विज्ञान के लिए 'रॉयल सोसायटी लंदन' के फैलो चुन लिए गए। बोस ने अपना पूरा शोधकार्य किसी अच्छे (महगें) उपकरण और प्रयोगशाला से नहीं किया था, इसलिये जगदीश चंद्र बोस एक अच्छी प्रयोगशाला बनाने की सोच रहे थे।'बोस इंस्टीट्यूट' (बोस विज्ञान मंदिर) इसी विचार से प्रेरित है, जो विज्ञान में शोध कार्य के लिए राष्ट्र का एक प्रसिद्ध केन्द्र है। जगदीश चंद्र बोस की **23** नवंबर, **1937** को बंगाल के गिरिडीह नगर में मृत्यु हुई।

जयंती

विशेष 30 नवंबर

राकेश कुमार

पौधों में जीवन के अस्तित्व को सिद्ध करने वाले
महान जीवभौतिकीवेत्ता
डॉ. जगदीश चन्द्र बोस
जी की जयंती पर नमन

जगदीश चंद्र बोस *Jagdish Chandra Bose*, जन्म- 30 नवंबर, 1858, मेमनसिंह गाँव, बंगाल (वर्तमान बांग्लादेश); मृत्यु- 23 नवंबर, 1937, गिरिडीह, बंगाल (वर्तमान बांग्लादेश)) भारत के प्रसिद्ध भौतिकविद् तथा पादपक्रिया वैज्ञानिक थे।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 30.11.2024

प्रश्न कौशल

प्रश्न पूछने का कौशल कक्षा में सही समय पर सही प्रश्न पूछने की क्षमता है। यह शिक्षक की प्रासंगिक, उद्देश्यपूर्ण और विचारोत्तेजक प्रश्न पूछने की क्षमता है जो छात्रों से सार्थक प्रतिक्रियाएँ प्राप्त करते हैं। एक मजबूत शैक्षिक आधार बनाने के लिए प्रश्न पूछने का कौशल आवश्यक है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

एलोन मस्क ने 38,000 फीट की ऊंचाई पर वीडियो कॉल में शामिल होकर कतर एयरवेज के नए स्टारलिंक WiFi को दिखाया, जो इन-फ्लाइट कनेक्टिविटी प्रदान करता है।

TOB खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

तलवारबाजी

तलवारबाजी (FENCING)

फेंसिंग एक लड़ाई का खेल है, जिसमें दो एथलीट एक दूसरे पर हमला करने और बचाव करने के लिए तलवार का इस्तेमाल करते हैं। इसमें तलवारबाज अपने प्रतिद्वंद्वी पर हमला करते हुए अंक हासिल करते हैं।

स्कोरिंग: लक्ष्य पर प्रत्येक हिट से एक अंक। 15 या अधिक हिट प्राप्त करने वाला पहला व्यक्ति विजेता होता है।

मास्क: एलईडी लाइटें बताती हैं कि फेंसर स्कोर कब हिट होता है।

ट्रांसमीटर: तलवार से जुड़ा हुआ, वैध हिट होने पर स्कोरिंग बॉक्स को वायरलेस सिग्नल भेजता है।

लेम: लक्ष्य क्षेत्र को परिभाषित करने के लिए पट्टी और कृपाण फेंसर द्वारा पहना जाने वाला विद्युत प्रवाहकीय जैकेट।

ओलंपिक में तलवारबाजी

एथेंस में 1896 के ओलंपिक खेलों में केवल तीन इवेंट आयोजित किए गए थे। अब इवेंट की संख्या बढ़कर 12 हो गई है।

भारत को मेडल की आस

एशियन गेम्स 2023 में भारत की स्टार तलवारबाज **भवानी देवी** देश के लिए पदक जीतने से चूक गईं। लेकिन पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत को उनसे मेडल की आस है।

स्कोरिंग: लाल और हरी बत्तियाँ लक्ष्य पर प्रहार का संकेत देती हैं और सफेद वाली ऑफ टारगेट के लिए (केवल foil)।

गार्ड लाइन पर: फेंसर्स मुकाबला शुरू करने या फिर से शुरू करने के लिए खड़े होते हैं।

7m

चेतावनी क्षेत्र: फेंसर लगाने वालों को चेतावनी देने के लिए अंतिम दो मीटर चिह्नित किए गए हैं कि वे piste के अंत के करीब हैं।

मध्य रेखा

पीछे की सीमा रेखा: piste के सिरे से पीछे हटने पर प्रतिद्वंद्वी को अंक मिलता है।

टारगेट एरिया:

फॉयल
लक्ष्य:
केवल धड़

एपी
लक्ष्य:
पूरा शरीर

साबरे
लक्ष्य: धड़, सिर, भुजाएँ

महान भारतीय वैज्ञानिक

जगदीश चन्द्र बसु

की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

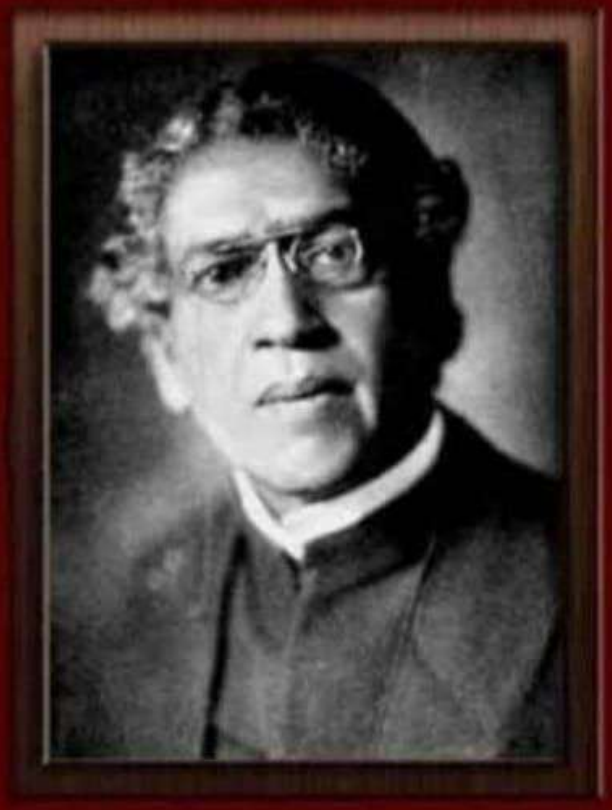

30 नवंबर 1858-23 नवंबर 1937

www.teachersofbihar.org

Madhu priya